ICFRE-Forest Research Institute, Dehradun

Training on Growing of Agroforestry species for Land management"
[23 to 25 September, 2025]

The Extension Division, ICFRE-Forest Research Institute, Dehradun conducted three days training on "***Growing of agroforestry species for land management***" from 23 to 25 September, 2025 in HNB Garhwal University, Srinagar, Uttarakhand under the project CAMPA-Extension-Van Vigyan Kendra. The said training started with inauguration by Professor Shri Prakash Singh, Vice Chancellor, HNB Garhwal University, Srinagar. In his inaugural speech, professor Singh told about the importance of agroforestry for better utilization of land with sustainable income generation and ecological balance. In technical session subject experts from Forest Research Institute, Dehradun and HNB Garhwal University, Srinagar delivered their lectures on different aspects of agroforestry helpful in soil conservation and fulfilling the requirement of fuel, fodder, timber, food and other produce for daily needs with possibilities of their commercialization by introduction of improved quality plants on farmland. Lectures on tree and crop protection from insect pests and fungal infection were also delivered by subject experts of FRI, Dehradun. The lectures imparted were on the basis of research outcomes and supported by many important case studies in Uttarakhand and adjoining hilly states.

Participants also visited nursery of the HNB Garhwal University and came to know about the seedlings of agroforestry species having importance of fuel, fodder, food, timber and many useful non timber forest produces. Above 60 participants including women farmers, Self Help Groups and students participated in the training.

Team of Extension Division including Dr. Charan Singh, Mr. Lokinder Sharma, Mr. Pawan Devshali, Mr. Naveen, Mr. Amit Singh and subject Experts from Forest Research Institute, Dehradun in active coordination with the expert team of Hemvati Nandan Bahuguna Garhwal University, Srinagar including Professor A. K. Negi, D. S. Chauhan, R. S. Negi, L. S. Kandari and Dr. (Ms.) Himshikha Gosain did a commendable work to make the training successful.

“भूमि प्रबंधन हेतु कृषि वानिकी प्रजातियों की खेती” पर प्रशिक्षण
[23 से 25 सितम्बर, 2025]

विस्तार प्रभाग, आईसीएफआरई–वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून द्वारा “भूमि प्रबंधन हेतु **कृषि वानिकी** प्रजातियों की खेती” विषय पर तीन दिवसीय प्रशिक्षण 23 से 25 सितम्बर, 2025 को एच.एन.बी. गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर, उत्तराखंड में CAMPA-विस्तार–वन विज्ञान केंद्र परियोजना के अंतर्गत आयोजित किया गया। उक्त प्रशिक्षण का उद्घाटन प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह, कुलपति, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर द्वारा किया गया। अपने उद्घाटन भाषण में प्रोफेसर सिंह ने भूमि के बेहतर उपयोग , सतत आय सृजन एवं पारिस्थितिक संतुलन के लिए एग्रोफॉरेस्ट्री की महत्ता के बारे में बताया। तकनीकी सत्र में वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून एवं एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर के विषय विशेषज्ञों द्वारा एग्रोफॉरेस्ट्री के विभिन्न पहलुओं पर व्याख्यान दिए गए , जो मृदा संरक्षण में सहायक हैं तथा ईंधन, चारा, लकड़ी, खाद्य एवं अन्य दैनिक आवश्यकताओं की पूर्ति में मददगार हैं, जिनकी व्यावसायिक संभावनाएं भी हैं। एफआरआई, देहरादून के विषय विशेषज्ञों द्वारा कीट एवं फफूंद संक्रमण से वृक्षों एवं फसलों की सुरक्षा पर भी व्याख्यान दिए गए। यह व्याख्यान अनुसंधान निष्कर्षों पर आधारित थे तथा उत्तराखंड एवं आस-पास के पहाड़ी राज्यों के कई महत्वपूर्ण केस स्टडी से समर्थित थे।

प्रतिभागियों ने एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय की नर्सरी का भ्रमण भी किया और वहां ईंधन, चारा, खाद्य, लकड़ी तथा कई उपयोगी गैर-काष्ठ वनोपजों की दृष्टि से महत्वपूर्ण एग्रोफॉरेस्ट्री प्रजातियों के पौधों के बारे में जानकारी प्राप्त की।

प्रशिक्षण में 60 से अधिक प्रतिभागियों, जिनमें महिला कृषक, स्वयं सहायता समूह तथा छात्र शामिल थे , ने भाग लिया।

विस्तार प्रभाग की टीम जिसमें डॉ. चरण सिंह, श्री लोकिंदर शर्मा, श्री पवन देवशाली, श्री नवीन, श्री अमित सिंह तथा वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून के विषय विशेषज्ञों ने हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विश्वविद्यालय, श्रीनगर की विशेषज्ञ टीम — प्रो. ए. के. नेगी, डॉ. डी. एस. चौहान, डॉ. आर. एस. नेगी, डॉ. एल. एस. कंडारी एवं डॉ. (सुश्री) हिमशिखा गोसाईं के सक्रिय समन्वय में प्रशिक्षण को सफल बनाने में सराहनीय कार्य किया।

Glimpses of the Training programme

LiFE